अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 रिश्तों पर आशा, भारत के प्रति ट्रंप का रुख...
6 यह युवा ऑलराउंडर करेगा डेब्यू! जानें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में...टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन...
7 एमपी के संभाग-जिलों का बदलेगा नक्शा...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-40 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 12 नवम्बर से 18 नवम्बर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

मणिपुर के जिरीबाम इलाके में CRPF के साथ मुठभेड़, 11 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए

इंफाल मणिपुर में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। मणिपुर के जिरीबाम इलाके में सीआरपीएफ के साथ मुठभेड़ में 11 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए। सूत्रों के अनुसार मुठभेड़ में सीआरपीएफ का एक जवान भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। इसे बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार आतंकवादियों से सीआरपीएफ की मुठभेड़ कैंप पर हमला करने के बाद हुई। मुठभेड़ में सीआरपीएफ का एक जवान भी घायल हुआ है। उसे एयरलिफ्ट करके अस्पताल ले जाया गया है।

पहली बार मिली बड़ी कामयाबी

पिछले साल मई से मणिपुर में इंफाल स्थित मैतेई और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी के बीच जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं। राज्य में अभी भी तनाव और हिंसा की घटनाएं हो रही है लेकिन पिछले कई महीनों में आतंकियों के मारे जाने की यह बड़ी घटना है। इस घटना में सामने आया है कि आतंकवादी सीआरपीएफ कैंप को निशाना बनाने की फिराक में थे। इसी उद्देश्य ने उन्होंने कैंप पर फायरिंग की थी, लेकिन सीआरपीएफ की कड़ी कार्रवाई में 11 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए। सूत्रों के अनुसार मुठभेड़ में जिरीबाम में इस मुठभेड़ में 11 संदिग्ध कुकी उग्रवादी मारे गए हैं।

दो तरफ से बोला था हमला

सूत्रों के मुताबिक संदिग्ध उग्रवादियों ने आज दोपहर करीब ढाई बजे जिरीबाम जिले के बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन पर हमला किया था। संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने पुलिस स्टेशन के दोनों ओर से बड़े पैमाने पर हमला किया था। जिसके बाद यह मुठभेड़ शुरू हुई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला था। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ के नेतृत्व में सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 11 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए हैं। पुलिस स्टेशन के पास ही विस्थापितों के लिए एक राहत शिविर भी है। ऐसा माना जा रहा है कि आतंकियों का निशाना यह शिविर भी हो सकता है।

खड़गे बोले- ? बटेंगे तो कटेंगे' बोलना साधु का काम नहीं ये कोई आतंकी बोल सकता है, कांग्रेस अध्यक्ष का यूपी CM योगी पर तंज

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को मोदी के 'एक है तो सेफ हैं और यूपी के CM योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे, नारे की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये खुद काट रहे, खुद बांट रहे हैं। दोनों पहले तय कर लें कि नारा कौन सा चलेगा।

योगी का नाम लिए बिना झारखंड के छतरपुर (पलामू) की रैली में कहा, वे कहते हैं बटेंगे तो कटेंगे। ये बोलना साधु का काम नहीं है। ये कोई आतंकी बोल सकता है, आप नहीं बोल सकते। कोई नाथ संप्रदाय का साधु ऐसी बात कर ही नहीं सकता। हम डरेंगे तो मरेंगे, हम डरने वाले नहीं है।

उन्होंने कहा कि मोदी जी कहते हैं भगवान ने हमको आपकी सेवा के लिए भेजा है। ये कभी नहीं कहते कि हम मां-बाप के पेट से पैदा हुए हैं। इस पर संत तुकाराम बोलते हैं, नवसे कन्या पुत्र होती तो का करणे लागे पती यानी दुहाई मांगने से ही अगर बच्चे पैदा होते हैं तो शादी करने से क्या फायदा है।

खड़गे ने कहा नरेंद्र मोदी और अमित शाह लोगों को डराते हैं। इन्होंने देश के गरीब, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक लोगों को अपने हाल पर छोड़ दिया है। हुकूमत करने वाले मोदी और शाह केवल अडानी-अंबानी की मदद करते हैं। यानी इस देश को 4 लोग चला रहे हैं- 2 पैसे वाले, 2 हुकूमत वाले।

भाजपा का जवाब- कांग्रेस बटेंगे तो कटेंगे नारे से घबराई

मल्लिकार्जुन खड़गे के योगी को आतंकी कहने के जवाब में भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा- जाति-जाति की रट लगा रही कांग्रेस बटेंगे तो कटेंगे नारे से घबरा गई है। मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान कांग्रेस पर बहुत भारी पड़ेगा।

कौन हैं देश के 51वें सीजेआई संजीव खन्ना? EVM और बैलेट पेपर पर सुनाया था ऐतिहासिक फैसला

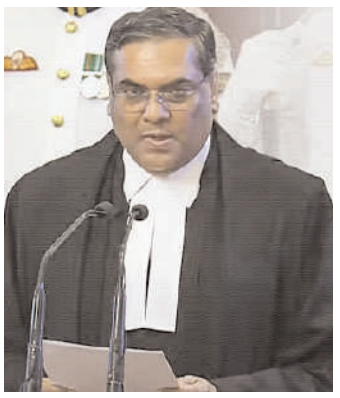

बतौर सीजेआई लंबित मामलों की संख्या घटाना और न्याय प्रदान करने में तेजी लाना उनकी प्राथमिकता में है। वह दिल्ली हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश रहे जस्टिस देवराज खन्ना के पुत्र और सर्वोच्च न्यायालय के जाने-माने पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एचआर खन्ना के भतीजे हैं।

जस्टिस संजीव खन्ना ने सोमवार को देश के 51वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। जस्टिस खन्ना का कार्यकाल 13 मई, 2025 तक रहेगा। दिल्ली के प्रतिष्ठित परिवार से तालुक रखने वाले जस्टिस संजीव खन्ना तीसरी पीढ़ी के वकील रहे हैं। उन्होंने न्यायाधीश बनने से पहले अपने करिअर की शुरुआत 1983 में तीस हजारी कोर्ट में वकालत की प्रैक्टिस के साथ की थी। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में भी वकालत की और अब अगले छह माह तक देश के मुख्य न्यायाधीश की कुर्सी संभालेंगे।

सरकारी खजाने में इस कैंपेन की वजह से पहुंच गए 650 करोड़ रुपये, सारा कबाड़ साफ हो गया वो बोनस

केंद्र सरकार ने अक्टूबर में चले स्वच्छता अभियान के तहत निकले कबाड़ को बेचकर 650 करोड़ रुपये से अधिक की आय आर्जित की है. यह जानकारी कार्मिक मंत्रालय द्वारा दी गई.

केंद्र सरकार ने अक्टूबर में चले स्वच्छता अभियान के तहत निकले कबाड़ को बेचकर 650 करोड़ रुपये से अधिक की आय आर्जित की है. यह जानकारी कार्मिक मंत्रालय द्वारा दी गई. मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशानिर्देशों से प्रोत्साहित होकर 2021-24 के बीच चलाए गए स्पेशल कैंपेन के तहत 2,364 करोड़ रुपये की आय कबाड़ को बेचकर प्राप्त हुई है. इससे अधिकारियों के लिए अधिक ऑफिस स्पेस फ्री हुआ है और दक्षतापूर्ण कार्य करने में मदद मिलेगी।

संपादकीय

रिश्तों पर आशा, भारत के प्रति ट्रंप का रुख

भारत-अमेरिका संबंधों पर डोनाल्ड ट्रंप की वापसी का प्रभाव चर्चा का विषय बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का रूस और चीन के प्रति रुख भारत के लिए लाभदायक हो सकता है, वहीं प्रवासन नीतियों को लेकर कुछ आशंकाएं भी हैं।

भारत और अमेरिका के आपसी रिश्ते अब उस अवस्था में नहीं रह गए हैं कि उन्हें किसी खास पार्टी या नेता की अगुआई वाली सरकार की दरकार हो। लेकिन इसके बावजूद अगर अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप का फिर से राष्ट्रपति चुना जाना द्विपक्षीय रिश्तों के लिहाज से एक उत्साहपूर्ण घटना मानी जा रही है, तो यह बेवजह नहीं है। दोनों देशों के रिश्तों के कई ऐसे पहलू हैं जहां वाइट हाउस में ट्रंप की मौजूदगी का प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ने की उम्मीद की जा रही है।

संतुलन के लिए स्पेस

जब से यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ है, भारत ने यह स्पष्ट नीति रखी है कि वह युद्ध के खिलाफ है, लेकिन रूस से अपनी पुरानी मित्रता पर कोई समझौता नहीं करने वाला। मोटे तौर पर सभी पक्षों ने भारत के इस रुख को स्वीकार भी किया है, लेकिन फिर भी बाइडन सरकार ने इस पर अपनी नाखुशी जताने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं दिया। अब ट्रंप के आने के बाद इस मोर्चे पर राहत की उम्मीद कई वजहों से है। अव्वल तो खुद ट्रंप कह चुके हैं कि वह रूसी राष्ट्रपति पूतिन को पसंद करते हैं। दूसरी बात यूक्रेन युद्ध पर उनका घोषित रुख भी बाइडन से अलग रहा है।

भारत की अहमियत

ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान चीन के साथ ट्रेड वॉर की पृष्ठभूमि में देखें तो यह संभावना निराधार नहीं है कि हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ी हुई आक्रामकता पर उनका रुख बाइडन सरकार के मुकाबले और कड़ा हो सकता है। दूसरे शब्दों में, उनकी नजर में भारत की अहमियत और ज्यादा होगी। हालांकि इसका नतीजा क्वॉड जैसे मंचों को सामरिक रूप देने पर जोर के रूप में भी आ सकता है, जिससे भारत इनकार करता रहा है।

बेहतर मौके

चीन के प्रति ट्रंप के संभावित कड़े रुख के साइड इफेक्ट के रूप में भारत को बेहतर मौके मिलें तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। चीन से मुंह मोड़ने वाली कई कंपनियां भारत को विकल्प के रूप देख सकती हैं। वैसे भी ट्रंप के अगले कार्यकाल में अमेरिका और भारत के बीच रक्षा सहयोग बढ़ने की उम्मीद की जा रही है।

क्या हैं आशंकाएं

तमाम उम्मीदों के बीच ट्रंप के इस कार्यकाल को लेकर कुछ ठोस आशंकाएं भी हैं। सबसे बड़ा सवाल प्रवासियों पर उनके रुख को लेकर है। देखने वाली बात यह होगी कि उनकी सरकार अवैध प्रवासियों को ही निशाना बनाती है या वैध तौर पर आने वाले हाई स्किल्ड प्रफेशनल्स की राह को भी मुश्किल बनाती है।

नजरिया पॉजिटिव

बहरहाल, सबसे बड़ी बात यह है कि डॉनल्ड ट्रंप, पीएम मोदी और भारत को लेकर दोस्ती का भाव रखते हैं और नजरिया पॉजिटिव हो तो रिश्तों के दरम्यान आने वाले छोटी-मोटी बाधाएं यूं ही दूर होती रहती हैं।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

महायुति और स्ङ्क... महाराष्ट्र की इन तीन दर्जन सीटों पर दोनों गठबंधनों की रोचक जंग, पिछली बार 5000 से भी कम रहा था अंतर

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए प्रचार जोरों पर है. सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी, दोनों ही गठबंधनों के लिए रियल टेस्ट उन तीन दर्जन सीटों पर माना जा रहा है, जहां 2019 के चुनाव में जीत हार का फैसला 5000 वोट से भी कम के अंतर से हुआ था।

महाराष्ट्र के चुनाव में एक-एक सीट को लेकर दिलचस्प जंग देखने को मिल रही है. हर पैंतरा आजमाया जा रहा है. हर दांव चला जा रहा है. बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारों की गूंज है तो लुभावने वादों के जरिये सुनहरे कल की तस्वीर भी दिखाई जा रही है. वादों-दावों के इस चुनावी मौसम में बात उन सीटों को लेकर भी हो रही है जहां के नतीजों ने सत्ता का खाका खींचने में अहम भूमिका निभाई थी. महाराष्ट्र के पिछले चुनाव में 37 सीटें ऐसी थीं जहां हार-जीत का अंतर पांच हजार से भी कम वोट का रहा था।

महाराष्ट्र विधानसभा की स्ट्रेंथ 288 सीटों की है. इनमें से पांच सीटें ऐसी थीं जहां जीत-हार का फैसला एक हजार वोट से कम के अंतर से हुआ था. एक सीट पर तो अंतर 500 वोट से भी कम का रहा था. सूबे की चांदीवली विधानसभा सीट से शिवसेना के भाऊसाहेब लांडे को करीबी मुकाबले में 409 वोट से जीत मिली थी।

गोंदिया जिले की अर्जुनी-मोरगां सीट पर एनसीपी उम्मीदवार चंद्रिकापुरे मनोहर गोवर्धन को 718 वोट के अंतर से जीत मिली थी. पुणे जिले की दौंड सीट से बीजेपी राहुल सुभाषराव कुल 746, सोलापुर की संगोला से शिवसेना के शाहजी बापू राजाराम पाटिल 768 और अहमदनगर जिले की कोपरगांव सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के आशुतोष अशोकराव काले 822 वोट से जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

एक हजार से कम अंतर वाली इन पांच सीटों के अलावा चार सीटों- भिवंडी ईस्ट, मूर्तिजापुर, मुक्ताईनगर और बीड में एक से दो हजार वोट के बीच का अंतर निर्णायक साबित हुआ था. इन चार में से एक-एक सीट पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को जीत मिली थी. एक सीट से सपा उम्मीदवार जीता था जबकि एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी।

महाराष्ट्र विधानसभा की 28 सीटों का नतीजा दो हजार से पांच हजार वोट के अंतर से निकला था. इन 28 सीटों में से 12 सीटों पर कमल खिला था. छह सीटों पर एनसीपी, चार सीटों पर कांग्रेस और दो सीटों पर शिवसेना, एआईएमआईएम, बहुजन विकास अघाड़ी और भाकपा के उम्मीदवारों को एक-एक सीट पर जीत मिली थी. एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी।

आम चुनाव नतीजों को विधानसभा के नजरिये से देखें तो 31 विधानसभा सीटें ऐसी थीं जहां दो प्रतिद्वंदियों के बीच वोटों का अंतर पांच हजार से कम रहा था. इन 31 में से 16 विधानसभा क्षेत्रों में विपक्षी महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवारों ने लीड किया था जबकि 15 क्षेत्रों में सत्ताधारी महायुति के उम्मीदवारों को बढ़त मिली थी।

महाराष्ट्र चुनाव के नजरिये से इन सीटों के सियासी मिजाज को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. हालांकि, ये आंकड़े लोकसभा चुनाव नतीजों के आधार पर हैं और विधानसभा चुनाव में मुद्दों से लेकर वोटिंग पैटर्न तक, बहुत भिन्नता होती है. फिर भी, लोकसभा चुनाव के पैटर्न को देखते हुए हर दल इन सीटों पर अपना गणित सेट करने की कोशिश में जुटा हुआ है.।

महिला के साथ गैंगरेप के मुख्य दोषी को उम्रकैद

घर में चोरी करने घुसे थे 3 बदमाश, अकेला देख ज्यादती की; इनमें 2 नाबालिग

इंदौर में 37 साल की महिला से गैंगरेप के मुख्य आरोपी को कोर्ट ने दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। गैंगरेप में दो नाबालिग भी शामिल थे। दोनों का केस बाल न्यायालय में अलग से पेश किया गया था।

नाबालिग रेलवे पटरी और इसके आसपास बसी कॉलोनियों के सूने घरों की रेकी करते रहते थे। महिला को अकेला देख कहा था कि इस घर में लूट-चोरी करने पर तगड़ा माल मिल सकता है।

घटना 3 साल पहले शहर के लसुडिया में हुई थी। जिला लोक अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायालय के विशेष न्यायाधीश (ओएडब्ल्यू) अष्टम अपर सत्र न्यायाधीश जयदीप सिंह ने इस केस में मुख्य आरोपी दीपक चौहान को दोषी ठहराया है।

कोर्ट में 14 गवाहों ने दी गवाही

दीपक पिता (22) विनोद चौहान, निवासी थाना क्षिप्रा को धारा 376 (डी) में आजीवन कारावास (शेष प्राकृत जीवन के लिए), धारा 450 भादंसं में 10 साल का सश्रम कारावास और धारा 397 भादंसं में 7 वर्ष की सजा, धारा 506 भाग-दो भादंसं में 3 साल की सजा और कुल 40 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया है।

अभियोजन की ओर से पैरवी अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी लतिका आर जमरा ने की। केस की गंभीरता को देखते हुए इसे जघन्य एवं चिह्नित प्रकरण की सूची में रखा गया था। इसकी प्रतिमाह समीक्षा करते हुए अभियोजन ने प्रकरण के प्रत्येक पहलू को बारीकी से न्यायालय के सामने रखा। 14 गवाहों की गवाही करवाई गई।

आरोपियों के हाथ में था चाकू, कैंची और कटर

थाना लसुडिया इलाके में 14 मई 2021 को शिकायत की गई थी कि पीड़ित घर पर सिलाई का काम करती है। रात 2 बजे वह अपने घर के अंदर सो रही थी, तभी उसे आवाज सुनाई दी। उसने देखा तो सामने तीन बदमाश खड़े थे। तीनों के हाथ में चाकू, कैंची और कटर था। बदमाशों ने चाकू दिखाकर पीड़ित को धमकाया और रुपए मांगे। उसने आरोपियों को घर में रखे 50 हजार रुपए दिए। आरोपियों ने उससे दो मोबाइल भी छीन लिए थे।

इसके बाद बदमाशों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने घटना के बाद अपने दोस्त को फोन से मैसेज कर घर बुलाया। घटना के बारे में बताया। बाद में अपने दोस्त को साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। मामले में जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया था।

इंदौर में 3 लोगों से 15 लाख की लूट

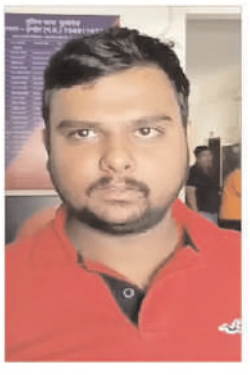

बिजनेसमैन और उसके भतीजे के साथ वारदात; पड़ोसी देखने आया तो बदमाशों ने उसे भी लूटा

लूटने करने वाले बदमाश महंगी बाइक से आए थे। स्टार्ट कर भागने लगे तो वह दोनों से नहीं संभली और सड़क पर गिर गई। जल्द बाजी में पीछे बैठे बदमाश की कैप और जूते खुल गए। फिर दोनों संभले और फरार हो गए। एक राहगीर ने पूरा माजरा देखा लेकिन वह कुछ समझ पाता इससे पहले ही दोनों भाग गए।

-दिशांत, बिजनेसमैन का भतीजा

इंदौर के तुकोगंज इलाके में सोमवार एक बिजनेसमैन और उनके भतीजे के साथ लूट की वारदात हुई है। बताया गया है कि पारिवारिक कार्यक्रम के चलते वे बिल्डिंग के बाहर गाड़ियां निकलवा रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

तुकोगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना रेसकोर्स रोड की है। वारदात सोमवार सुबह कमलेश अग्रवाल और उनके रिश्तेदार दिशांत अग्रवाल व सामने रहने वाले पिकेश शाह के साथ हुई है। रिश्तेदार राहुल ने बताया कि कमलेश बिल्डरशिप का काम करते है। उनके फैमिली में सोमवार शाम को फंग्शन था। इस दौरान वह बिल्डिंग से बाहर गाडियां निकलवा रहे थे। करीब सुबह साढ़े सात से आठ के बीच में दो बदमाश यहां पहुंचे। उन्होंने चाकू की नोक पर उनकी चेन और हाथ के ब्रेसलेट उतरवाया ओर फरार हो गए। सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची है, मामले की जांच की जा रही है।

15 लाख से ज्यादा की लूट

टीआई जितेंद्र यादव के मुताबिक आरोपियों ने 3 सोने की चेन, 3 अंगूठी और 2 ब्रेसलेट लूटे है, उनकी अनुमानित कीमत करीब 15 लाख से ज्यादा है। अभी पीड़ितों के बयान लिये जा रहे है। मामले में सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे है, जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी करेंगे।

इंदौर में अगरबती कारखाने में लगी आगत्तीन इमली चौराहे के पास टीन शेड की दुकानों में शार्ट-शर्किट के चलते हुई घटना

दौर के आजाद नगर इलाके के तीन इमली चौराहे के पास सोमवार दोपहर एक अगरबती कारखाने में आग लग गई। कच्चे माल में आग लगने से काफी तेजी से फैल गई। सूचना के बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

फायर कर्मियों के मुताबिक घटना आग टीन शेड की बनी दुकानों में शार्ट-शर्किट के चलते आग लगी है। आग के चलते यहां पर काफी धुआं फैल गया। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड स्टेशन पर सूचना दी। इसके बाद दो गाड़ियां मौके पर पहुंची।

आग से यहां सेंट, अगरबती बनाने में उपयोग होने वाले रॉ मटेरियल और प्लास्टिक का सामान जल गया। आग लगने की शुरुआत में ही यहां से लोगों को बाहर निकल गए थे।

इंदौर में आरक्षक ने पत्नी को पीट-पीट कर अधमरा कियानिजी अस्पताल में भर्ती, मोबाइल चलाने की बात पर था नाराज

इंदौर के पंढ़रीनाथ थाने के आरक्षक ने अपनी पत्नी की बेटे के सामने बुरी तरह से पिटाई कर दी। उसे अधमरा छोड़कर घर से चला गया। पड़ोसी ने पत्नी को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। यहां महिला का उपचार चल रहा है।

मल्हारगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक निशा गर्ग निवासी लटूर बाग कचरा प्लांट के पास की शिकायत पर उसके पति आनन्द खन्ना पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। निशा गर्ग का शेल्बी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मल्हारगंज पुलिस ने रविवार को निशा के अस्पताल में बयान लिए। तब उसने बताया कि उसका पति पंढ़रीनाथ थाने में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। पति आनंद और बेटे के साथ किराए के मकान में रहती है। 2018 में उसकी शादी हुई है। आनंद छोटी- छोटी बात पर मारपीट करता है। परिवार के लोग उसे समझाते, लेकिन आनंद का कहना था कि जो वह कहे वही करना होगा। तभी साथ में रखेगा।

वह आए दिन जूते-चप्पल, डंडों से मारपीट करता। पिछले 6 साल से लगातार शारीरिक प्रताड़ना दे रहा है। एक दिन पहले वह ड्यूटी खत्म कर घर पर आया। तब वह मोबाइल चला रही थी। तभी गुस्से में मोबाइल लिया और कहा कि मोबाइल पर किससे बात कर रही हो। तब इनकार किया कि वह तो बस मोबाइल चला रही है तो आनंद नाराज हो गया। बेसबाल के डंडे से मारपीट करने लगा। इस दौरान चेहरे, हाथ-पैर पर बुरी तरह से मारा।

आनंद जोर जोर से चिल्लाने लगा कि आज तुम्हें जान से खत्म कर दूंगा। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले कमल भैया आए तब तक वह बेहोश हो गई थी। आनंद उसे छोड़कर चला गया। बाद में कमल भैया जावरा कंपाउंड लेकर पहुंचे। यहां पर भी आनंद आ गया। उसने कहा तुझे और तेरे परिवार को मारकर खुद भी सुसाइड कर लेगा। परिवार को झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी दी। यहां हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग शेल्बी अस्पताल ले गए। पुलिस ने आनंद पर केस दर्ज किया है।

जो असली होते हैं,वह बुरी तरह से पीटे जाते हैं,जो नकली होते हैं;वह बहुत पनपते हैं,क्योंकि वह जानते हैं कि लोगों को खुश किस तरह से करना चाहिए। जो असली आदमी होता है,वह किसी को खुश करने के पीछे में नहीं लगता है।वह सत्य को बताने के पीछे में होता है,और सत्य को बताने के पीछे में चाहे उसको प्राण भी देने पड़े,उसको कोई भी हर्ज नहीं होती,क्योंकि वह जानता है कि सत्य ही अनंत तक चलने वाली चीज है।अब यह समय आ गया है कलजुग का।अब इस कलजुग में अनेक लोग पैदा हो गए हैं।मैं तो कहती हूं अनेक राक्षस पैदा हो गए हैं।.....मैंने देखा है कि सहजयोग ऐसे लोगों के लिए नहीं है,जो असली चीज को नहीं मानते,जो सत्य को नहीं मानते।यह उन लोगों के लिए है,जो किसी भी हालत में भी सत्य ही का वरण करना चाहते हैं,ऐसे ही लोगों के लिए सहज योग काम करता है।

इस तरह मनाया जाता है देवउठनी एकादशी का पर्व, होते हैं ये शुभ कार्य

12 नवंबर को देशभर में देवउठनी एकादशी का व्रत किया जाएगा और इस दिन भगवान नारायण चार महीने का शयन काल पूरा करने के बाद भगवान विष्णु जागते हैं और इसी के साथ शुभ व मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ हो जाते हैं। गुर्जर समाज में इस दिन को बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है और इस समाज की महिलाएं देवउठनी एकादशी पर गीत गाकर घर-घर देव उठाएंगी...

उठो देव, बैठो देव
देव उठेंगे कातक मास
नई टोकणी, नई कपास
जा रे मूसे गोल जा
गोल जाकै, डाब कटा
डाब कटा कै, बाण बटा
बाण बटा कै ,खाट बुणा
खाट बुणा कै, दरी बिछा
दरी बिछा कै लौट लगा
लौट लगा कै मौटा हो,
मौटा हो, झौटा हो
अपला गाय, कपला गाय...

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस बार यह शुभ तिथि 12 नवंबर दिन मंगलवार को है। देवउठनी एकादशी के इस दिन चार महीने का शयन काल पूरा करने के बाद भगवान विष्णु जागते हैं। तभी इस दिन से मंगल कार्यों की शुरुआत होती है। गुर्जर समाज में देवउठनी एकादशी पर महिलाएं घर के आंगन और गेट पर घर के सदस्यों, घर के पशुओं व पक्षियों के पैरो की सफेद खड़िया से आकृति बनाती है। जहां ये आकृति बनाई जाती है, वहां दीवार पर चित्र बनाया जाता है जिसे देवा मोरा कहते हैं। साथ ही घर परिवार की सभी महिलाएं इकट्ठा होकर लोक गीत गाती हैं।

शुभ कार्य करने से ईष्ट देवों को किया जाता है प्रसन्न

शुभ कार्य को करने से पहले ईष्ट देव को याद करने का चलन भी गुर्जर समाज पुरातन संस्कृति का आधार रहा है। गुर्जर समाज से जुड़े लोगों ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि शादी-विवाह जैसे कार्यक्रम का प्रारंभ भी समाज में देवी-देवताओं को प्रसन्न करके किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया को ही देवउठनी की संज्ञा कही जाती है।

देवउठनी एकादशी के दिन करें ये 7 काम, जीवनभर नहीं होगी पैसा की कमी, जानें क्या करें क्या न करें

देवउठनी एकादशी का व्रत इस बार 12 नवंबर को है। देवउठी एकादशी के दिन भगवान विष्णु चार माह की निद्रा के बाद जागते हैं। इसलिए इस दिन पूजा पाठ करने का विशेष महत्व है। इस दिन आप जो भी काम करते हैं उसके दोगुना फल आपको मिलता है। लेकिन, इस दिन कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। आइए जानते हैं देवउठनी एकादशी के दिन क्या करें क्या न करें।

देवउठनी एकादशी का महत्व बाकी एकादशी की तुलना में काफी ज्यादा है। दरअसल, देवउठनी एकादशी पर चार माह की निद्रा के बाद भगवान विष्णु जागते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, देव उठनी एकादशी इस बार 12 नवंबर को है। देव के उठने के बाद से ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाती है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की सच्चे मन से उपासना करता है। उसके जीवन से सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। साथ ही व्यक्ति के जीवन में आ रही समस्याओं से भी उसको छुटकारा मिलता है। वैसे तो सालभर में आने वाली सभी एकादशी तिथियों को बड़ा महत्वपूर्ण माना जाता है लेकिन, देवउठना एकादशी का विशेष महत्व होता है। यह बाकी एकादशी की तुलना में अधिक फलदायी मानी गई है। इसलिए इस दिन कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। आइए जानते हैं देव उठनी एकादशी के दिन क्या करें क्या न करें। जानें देवउठनी एकादशी के नियम।

देव उठनी एकादशी के नियम, क्या करें क्या न करें

1) देवउठनी एकादशी के दिन भगवान को जगाने के बाद उन्हें रथ पर बैठाकर भ्रमण कराना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, राजा बलि ने ऐसा किया था जिसे उन्हें अपना खोया हुआ राज्य वापस मिल गया था। यदि आपके पास रथ नहीं है तो भगवान विष्णु को एक आसन पर बैठाएं और फिर चार लोग उनके आसन को चारों तरफ से उठा लें। इसके बाद उन्हें भ्रमण कराएं। ऐसा करने से आपको अपने सभी कष्टों से छुटकारा मिलेगा।

2) इसके अलावा देवउठनी एकादशी के दिन सभी के घरों में अष्टदल बनाया जाता है। इस दिन सभी के घर में जाकर कम से कम अष्टदल के दर्शन करने चाहिए। कम से कम पांच घरों में जाकर आप अष्टदल के दर्शन करें। ऐसा करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

3) देवउठना एकादशी वाले दिन चावलों को कुछ समय के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद उन चावलों को पीस लें। इसके बाद इससे अनाज रखने के बर्तन का निर्माण करें। फिर इसके अंदर विभिन्न प्रकार के अनाज रखें। यदि आपसे चावल पीसकर अनाज का बर्तन नहीं बनता है तो अष्टदल बनाकर उसपर सात प्रकार के अनाज रख दें। इसके अलावा इस दिन जरुरमंद लोगों को दान करना चाहिए। ऐसे करने से पुण्य प्राप्त होता है।

4) देवउठनी एकादशी का महत्व बाकी एकादशियों की तुलना में सबसे अधिक है। इसलिए इस दिन जो लोग भी व्रत रखते हैं उन्हें व्रत के पारण में कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। एकादशी का व्रत रखकर जब आप द्वादशी तिथि में व्रत का पारण करें तो सबसे पहले आंवले और तुलसी के पत्ता का ही सेवन करें। इसी से व्रत का पारण करना चाहिए।

5) तुलसी की अच्छे से साफ सफाई करके दीपक जलाएं। चुनरी ओढ़ाएं और सुहाग सामग्री चढ़ाएं।

6) देवउठनी एकादशी का दिन तुलसी विवाह कराने का भी विधान है। ऐसे में इस दिन तुलसी की साफ सफाई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। इस दिन तुलसी माता को लाल रंग की चुनरी ओढ़ाएं और सभी सुहाग की सामग्री भी तुलसी माता को अर्पित कर दें।

7) देवउठनी एकादशी के दिन सुहागिन महिलाओं को अपने कुल के देवी देवता की पूजा करनी चाहिए। इस दिन अपने कुल देवी देवता को भी उठाया जाता है।

देवउठनी एकादशी पर न करें ये काम

1) देवउठनी एकादशी के दिन चावल नहीं खाने चाहिए। जो लोग व्रत कर रहे हैं उनके अलावा भी बाकी सभी लोगों को इस दिन चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा जो लोग देवउठनी एकादशी का व्रत कर रहे हैं उन्हें मूली नहीं खाना है बैंगन नहीं खाना है साग नहीं खाना चाहिए।

2) देव उठनी एकादशी का व्रत रखने के बाद व्रत का पारण होने के बाद द्वादशी तिथि में सोना नहीं चाहिए। यदि आपको नींद आ गई है तो तुलसी का पत्ता तकिए के नीचे रखकर सो सकते हैं।

भूल भुलैया 3 पहुंची 200 करोड़ पार, कार्तिक को 10 दिन में मिली करियर की सबसे बड़ी फिल्म

थिएटर्स में दूसरे वीकेंड में ही कार्तिक की फिल्म ने 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. करीब एक दशक से लगातार कड़ी मेहनत कर रहे कार्तिक को आखिरकार उस तरह की बड़ी हित मिलने जा रही है, जो उन्हें बड़ी लीग में ले जाएगी.

बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन के करियर को भूल भुलैया 3 ने आखिरकार वो मोमेंट दे दिया है जिसके लिए वो कई सालों से कड़ी मेहनत कर रहे थे. दिवाली पर रिलीज हुई डायरेक्टर अनीस बज्मी की फिल्म ने पहले 10 दिन थिएटर्स में जमकर कमाई की है।

थिएटर्स में दूसरे वीकेंड में ही कार्तिक की फिल्म ने 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. करीब एक दशक से लगातार कड़ी मेहनत कर रहे कार्तिक को आखिरकार उस तरह की बड़ी हित मिलने जा रही है, जो उन्हें बड़ी लीग में ले जाएगी।

10 दिन में 200 करोड़ पार

पहले ही दिन से धुआंधार शुरुआत करने वाली भूल भुलैया 3 ने पहले हफ्ते में शानदार कमाई की. कार्तिक की फिल्म ने 169 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपना पहला हफ्ता पूरा किया।

दूसरे वीकेंड की शुरुआत में फिल्म ने दमदार तरीके से की और मामूली सा जंप लिया. मगर शनिवार-रविवार तगड़े जंप के साथ फिल्म ने दूसरे वीकेंड में 48 करोड़ रुपये का नेट इंडिया कलेक्शन किया. बॉक्स ऑफिस पर एक और शानदार रविवार के बाद भूल भुलैया 3 ने बॉक्स ऑफिस पर 217 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर डाला है।

कार्तिक को मिली करियर की सबसे बड़ी फिल्म

भूल भुलैया फ्रैंचाइजी कार्तिक के लिए बहुत फायदेमंद साबित हुई है. अभी तक उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म भूल भुलैया 2 (2022) थी, जिसने 186 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था. अब भूल भुलैया 3 ने इसे पीछे छोड़ दिया है और 10 ही दिन में कार्तिक के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बन गई है।

ये कार्तिक के करियर की पहली 200 करोड़ कमाने वाली फिल्म भी है. डायरेक्टर अनीस बज्मी के लिए भी भूल भुलैया 3 तगड़ी कामयाबी लेकर आई है. सिंह इज किंग, वेलकम और रेडी जैसी फिल्में बना चुके अनीस बज्मी ने 1995 में बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था. मगर अब भूल भुलैया 3 उनके करियर में पहली 200 करोड़ कमाने वाली फिल्म बनी है.

कार्तिक आर्यन स्टारर भूल भुलैया 3 की कामयाबी इसलिए भी बड़ी हो जाती है क्योंकि ये फिल्म दिवाली पर एक बड़े क्लैश में रिलीज हुई थी. बॉक्स ऑफिस पर इसके सामने अजय देवगन स्टारर सिंघम अगेन भी रिलीज हुई. अजय के साथ फिल्म में करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार जैसे बड़े नाम भी हैं. ऐसे में भूल भुलैया 3 की कामयाबी वाकई बहुत बड़ी है.

यह युवा ऑलराउंडर करेगा डेब्यू! जानें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन

ह्वहष्ठ 1ह्य, स 1ह्यह्ल ञ्जद्धह्यह्ल- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट मैच 22 नवंबर से खेला जाएगा. रोहित शर्मा इस मैच में नहीं खेलेंगे. जानें इस टेस्ट मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन कैसी हो सकती है.

न्यूजीलैंड ने घर पर जो जख्म दिए हैं, वो अब ऑस्ट्रेलिया में जीत से भरेंगे. लगभग हर भारतीय फैंस का यही कहना है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिहाज से टीम इंडिया को हर हाल में ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीतनी होगी. खैर, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा. यहां जानें पहले टेस्ट में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन कैसी होगी.

रोहित शर्मा नहीं खेलेंगे पहला टेस्ट

अब यह लगभग कंफर्म है कि कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे. उनकी जगह इस मैच में जसप्रीत बुमराह कप्तानी करेंगे. सोमवार सुबह कोच गौतम गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान उन्होंने संकेत दिए कि अगर रोहित पहले टेस्ट में उपलब्ध नहीं होते हैं तो फिर केएल राहुल पारी की शुरुआत करेंगे.

नितीश कुमार रेड्डी का डेब्यू कंफर्म!

ऐसा माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी डेब्यू करेंगे. नितीश ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ इंडिया ए टीम का हिस्सा था. वह दमदार बैटिंग के साथ-साथ तेज गेंदबाजी भी कर सकते हैं. इसी वजह से उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल किया जा सकता है.

पहले टेस्ट में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन की बात करें तो यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल पारी का आगाज करेंगे. इसके बाद शुभमन गिल तीन नंबर पर और विराट कोहली चार नंबर पर खेलते दिखेंगे. पांच नंबर पर विकेटकीपर ऋषभ पंत खेलेंगे. इसके बाद छह, सात और आठ पर तीन ऑलराउंडर. इसमें नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा के खेलने की संभावना है. रविचंद्रन अश्विन बेंच पर ही बैठे दिखेंगे. फिर तीन तेज गेंदबाज. इसमें मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह के साथ प्रसिद्ध कृष्णा एक्शन में दिख सकते हैं. ऐसे में आकाशदीप को बेंच पर बैठना होगा.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन- केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह (कप्तान) और प्रसिद्ध कृष्णा.

एमपी के संभाग-जिलों का बदलेगा नक्शा

निमाड़ को नया संभाग

नर्मदापुरम से अलग होकर पिपरिया बन सकता है जिला

पिपरिया नर्मदापुरम जिले में आता है। जिला मुख्यालय से पिपरिया की दूरी करीब 70 किमी है। पहाड़ी इलाका होने से आने-जाने में करीब 2 घंटे का समय लगता है। पिपरिया को जिला बनाने की मांग कई साल से की जा रही है। पिछले साल विधानसभा चुनाव के दौरान पिपरिया को जिला बनाने की मांग को लेकर धरना, प्रदर्शन और हड़ताल भी की गई थी। पिपरिया को नया जिला बनाने का प्रस्ताव है।

सिरोंज बन सकता है नया जिला, विदिशा में शामिल होगा सांची

सिरोंज तहसील विदिशा जिला मुख्यालय से 85 किलोमीटर दूर है। स्थानीय लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए विदिशा आने में समय और संसाधनों की बरबादी होती है। सिरोंज को नया जिला बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है।

नए जिले को अस्तित्व में लाने के लिए लटेरी तहसील और सबसे बड़ी ग्राम पंचायत आनंदपुर को इसमें शामिल किया जा सकता है। हालांकि, आनंदपुर को गुना जिले में शामिल करने का भी सुझाव दिया जा रहा है क्योंकि गुना की दूरी आनंदपुर से सिरोंज के बराबर है।

इसी तरह विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची भी विदिशा में शामिल हो सकता है। वर्तमान में यह रायसेन जिले का हिस्सा है और रायसेन से इसकी दूरी 23 किमी है। सांची के लोगों को रायसेन जाने में आधा घंटा लगता है जबकि यह विदिशा से महज 10 किमी दूर है इसलिए इसे विदिशा में शामिल किए जाने की संभावना है।

बीना को जिला बनाने की मांग पर आयोग की लगेगी मुहर

बीना को जिला बनाने की मांग पिछले 40 वर्ष से हो रही है। अब आयोग इसे अस्तित्व में लाने के लिए अपनी मुहर लगाएगा। कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे ने बीना को जिला बनाने की मांग को लेकर बीजेपी जॉइन की थी, लेकिन खुरई को भी जिला बनाने के लिए भीतरखाने राजनीतिक लामबंदी होने लगी थी।

दरअसल, बीना की जिला मुख्यालय सागर से दूरी 75 किमी है। बीना नया जिला बनता है तो खुरई, बीना, मालथौन, बांदरी, कुरवाई, पठारी और प्रस्तावित खिमलासा तहसील को इसमें शामिल किया जा सकता है।

तीन नए जिले बनाने की तैयारी

चित्रकूट नई तहसील बनेगी

चित्रकूट सतना जिले में आता है। 24 नवंबर को यह सतना की नौवीं तहसील बनेगा। राजस्व विभाग ने इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी है। चित्रकूट तहसील को मझगंवा को तोड़कर बनाया गया है। इसमें 111 गांव होंगे, जो 34 पटवारी हलकों के अंतर्गत आएंगे।

चित्रकूट तहसील की पूर्वी सीमा उत्तर प्रदेश और मझगवां से जुड़ेगी जबकि पश्चिमी सीमा उत्तर प्रदेश और एमपी के पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील से जुड़ेगी। तहसील के दक्षिण में मझगवां तहसील और पन्ना तहसील पड़ेगी। चित्रकूट तहसील की उत्तरी सीमा उत्तर प्रदेश से जुड़ी रहेगी।

बुधनी से नजदीक नर्मदापुरम

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से जुड़ी बुधनी का जिला मुख्यालय सीहोर है। बुधनी-सीहोर की दूरी 106 किलोमीटर है। जाहिर है कि बुधनी के लोगों को जिला मुख्यालय तक आने-जाने में बहुत दिक्कत होती है। बुधनी की दूरी नर्मदापुरम से सिर्फ 8 किलोमीटर है। ऐसे में संभावना है कि बुधनी को नर्मदापुरम में शामिल कर लिया जाए।

मुलताई का पांढुर्णा से नजदीकी जुड़ाव

वर्तमान में मुलताई तहसील बैतूल जिले में आती है लेकिन भौगोलिक दृष्टि से मुलताई की पांढुर्णा से निकटता और व्यापारिक संबंध इस क्षेत्रीय बदलाव की संभावनाओं को मजबूत कर रहे हैं। बैतूल जिले से मुलताई की दूरी 59 किलोमीटर है, जबकि ये पांढुर्णा से मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर है।

यह दूरी कम होने से मुलताई के लोगों को पांढुर्णा पहुंचने में आसानी होती है। पांढुर्णा का व्यापार भी मुलताई से जुड़े रहने के कारण वहां के लोगों के लिए यह निर्णय लाभकारी हो सकता है।

बड़वानी से धार की दूरी 102 किमी

धार जिले की कुक्षी तहसील को बड़वानी जिले में शामिल किए जाने का प्रस्ताव है। दरअसल, धार से कुक्षी की दूरी 102 किमी है जबकि बड़वानी से महज 27 किमी। कुक्षी के लोगों को धार जाने के लिए 2 घंटे का सफर तय करना पड़ता है।

इसके अलावा बड़वानी जिले से 50 किमी के दायरे में मनावर, डही, गंधवानी, निसरपुर, कड़माल सहित अन्य गांव भी आते हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में कुक्षी को नए बनने वाले बड़वानी जिले में जोड़ा जा रहा था लेकिन राजनीतिक कारणों के चलते यह नहीं हो सका।

इंदौर में शामिल हो सकता है पीथमपुर

बदली जा सकती हैं संभागीय सीमाएं

नर्मदापुरम संभाग में सिर्फ तीन जिले नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल हैं। इससे नरसिंहपुर जिले की सीमाएं लगी हुई हैं। फिलहाल, नरसिंहपुर का संभागीय मुख्यालय जबलपुर है। नर्मदापुरम संभाग में नरसिंहपुर जिला शामिल किया जा सकता है।

अभी जबलपुर संभाग में 9- जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट, मंडला, सिवनी, डिंडोरी और पांढुर्णा जिले हैं। इसी तरह शहडोल में तीन जिले- शहडोल, उमरिया और अनूपपुर हैं, डिंडोरी जिला शहडोल से सटा हुआ है। इसे जबलपुर संभाग से अलग कर शहडोल में मिलाया जा सकता है।

निमाड़ बन सकता है प्रदेश का 11वां संभाग

निमाड़ को संभागीय मुख्यालय बनाने की तैयारी है। 12 साल पहले 2012 में निमाड़ को संभाग बनाने की मांग उठी थी। इसके बाद राजस्व विभाग ने खरगोन जिला प्रशासन से प्रस्ताव मांगा था। खरगोन के तत्कालीन कलेक्टर अशोक वर्मा ने सितंबर 2016 में प्रस्ताव बनाकर भेजा था लेकिन कुछ संशोधनों का हवाला देकर इसे लौटा दिया गया। इसके बाद फिर नया प्रस्ताव सरकार को भेजा गया था।

अब आयोग इस दिशा में आगे बढ़ सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहली समीक्षा बैठक 1 जनवरी 2024 को इंदौर संभाग के खरगोन में की थी। इस बैठक में निमाड़ को अलग संभाग बनाने की बात आई थी क्योंकि इंदौर प्रदेश का सबसे बड़ा संभाग है। इसमें 8 जिले आते हैं। ऐसे में इसके 4 जिले- खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर और खंडवा को मिलाकर नया संभाग बनाने पर विचार किया गया।

जानकार कहते हैं कि निमाड़ को नया संभाग बनाने से खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर, खंडवा की राजस्व निगरानी और अपील संबंधी सुनवाई खरगोन में ही होगी। इससे सबसे ज्यादा फायदा दूरी घटने का होगा।

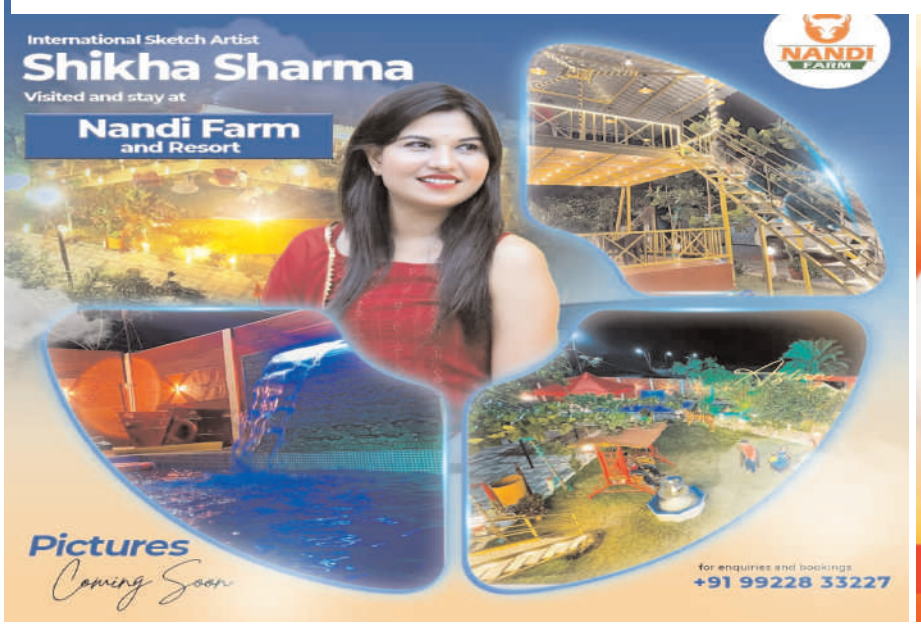

इंदौर में देवउठनी ग्यारस पर छुट्टी

कलेक्टर आशीष सिंह ने जारी किए स्थानीय अवकाश के आदेश

इंदौर में देवउठनी ग्यारस पर स्थानीय छुट्टी रहेगी। सोमवार 11 नवंबर को इस संबंध में कलेक्टर आशीष सिंह ने आदेश जारी कर दिए। यह अवकाश बैंक और कोषालय पर लागू नहीं होगा।

कलेक्टर आशीष सिंह ने आदेश जारी करते हुए कहा कि है कि, पूर्व में 1 नवंबर का स्थानीय अवकाश घोषित था, लेकिन मप्र शासन द्वारा अवकाश घोषित कर दिया गया। इसलिए एक नवंबर को स्थानीय अवकाश को निरस्त करते हुए अब 12 नवंबर देवउठनी ग्यारस को अवकाश घोषित किया है। देवउठनी ग्यारस पर छुट्टी की कर्मचारियों की तरफ से मांग की जा रही थी। ग्यारस पर प्रदेश के कई जिले छुट्टी घोषित कर चुके हैं। झाबुआ, जबलपुर, दमोह, छिंदवाड़ा आदि जिले छुट्टी घोषित कर चुके हैं।

बाल विवाह रोकने शहर में घूमेंगे उड़नदस्ते देवउठनी ग्यारस पर कल से शादी समारोह की शुरुआत

शहर में देव उठनी ग्यारस पर बाल विवाह रोकने के लिए दो उड़न दस्ता तैनात रहेंगे। परियोजना स्तर पर एक-एक टीम नजर रखेगी। जिला प्रशासन और महिला बाल विकास ने कलेक्टर कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया है। बाल विवाह को रोकने के लिए हेल्पलाइन नंबर 0731-23060181 भी जारी किया गया है, शिकायत मिलते ही मौके पर उड़नदस्ता पहुंचेंगे। टीम द्वारा समझाइश देकर शादी निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उलंघन पर उनके खिलाफ अधिनियम के तहत केस दर्ज करवाया जाएगा।

बता दें पहले उड़नदस्ता में संदेश रघुवंशी, अनिल कुमार लोधा, राज किरण जाट और देवेंद्र पाठक को शामिल किया है। जबकि दूसरे में भगवान दास साहू, रोहित मुजाल्दे, निर्मल वर्मा, महेंद्र पाठक शामिल हैं।

बाल विवाह के तहत होने वाली कार्रवाई में माता-पिता के साथ ही शादी कराने वाले पंडित, मौलवी के खिलाफ भी केस दर्ज करवाया जाता है। पूर्व में इस तरह के मामले कई सामने आ चुके हैं। साल 2023-24 में जहां 9 बाल विवाह रोके गए थे वहीं 2024-25 में अब तक 6 बाल विवाह रोके जा चुके

'सबसे नीट अपनी बीट' में होगा सफाई का आंकलन

शहर के सफाई मित्रों के बीच प्रतिस्पर्धा, बेहतर कार्य करने वाले होंगे पुरस्कृत

शहर के सभी सफाई मित्रों के बीच स्वच्छता प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया है। इसके तहत सबसे नीट अपनी बीट में सफाई कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्र को अधिक बेहतर और साफ-सुथरा रखना होगा। इस प्रतिस्पर्धा में बेहतर कार्य करने वाले सफाई मित्रों को पुरस्कृत किया जाएगा।

निगम आयुक्त शिवम वर्मा के अनुसार इस वर्ष होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए अब नगर निगम के द्वारा अपने सफाई मित्रों के बीच में स्वच्छता प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। सबसे नीट अपनी बीट के तहत यह प्रतिस्पर्धा आयोजित की जा रही है। इसमें हर सफाई कर्मी की बीट का अवलोकन कर यह देखा जाए?गा कि उनके द्वारा सफाई कितने बेहतर तरीके से समय सीमा के अंदर की गई है।

इसमें सफाई कर्मी के द्वारा किए गए नवाचार को भी देखा जाएगा। इसमें बेहतर कार्य करने वाले सफाई कर्मियों को नगर निगम के द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

अब ये करना होगा

अधिकारियों के अनुसार अभी देखने में आता है कि सफाई करने के बाद सफाई मित्रों के द्वारा अलग-अलग स्थान पर कचरे के ढेर लगा दिए जाते हैं। अब अभियान में यह नहीं होगा। सफाई कर्मी को सफाई करने के साथ इस कचरे को एकत्र करके वहां से उठाकर अलग बैग में रखना होगा।

इस कचरे को भी सफाई के बाद में सेग्रीगेशन करते हुए अलग-अलग तरह के बैग में रखकर जागरूकता का परिचय देना होगा। इसके साथ ही सफाई कर्मी की शत प्रतिशत उपस्थिति, समय पर आने, हमेशा सफाई दिखने, क्षेत्र के लोगों के साथ संवाद करने और यूनिफॉर्म में काम करने के आधार पर आकलन किया जाएगा। हर जोनल कार्यालय के क्षेत्र में एक व्यक्ति को सर्वश्रेष्ठ सफाई मित्र के रूप में चयनित कर पुरस्कृत किया जाएगा।

इंदौर में बिजली कंपनी ने लगाए 3.64 लाख स्मार्ट मीटर

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ने सवा आठ लाख स्मार्ट मीटर लगा दिए हैं। इनमें अकेले इंदौर में 3.64 लाख स्मार्ट मीटर लगे हैं। वर्तमान में इंदौर, उज्जैन रतलाम जैसे बड़े शहरों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से किया जा रहा है।

कंपनी की प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को नई सुविधाएं मिल रही है। एक ओर जहां मानव रहित स्पष्ट रीडिंग ऑटोमेटेड आ रही है, वहीं बिलिंग संबंधी त्रुटियां भी खत्म हो गई है। रजनी सिंह ने बताया कि यह स्मार्ट मीटर कंपनी के ऊर्जा एप पर लाइव डाटा भी दिखाते हैं। इससे उपभोक्ता संतुष्टि में बढ़ोत्तरी हो रही हैं। पश्चिम क्षेत्र कंपनी में लगे आठ लाख पंद्रह हजार मीटरों में सबसे ज्यादा 3.64 लाख मीटर इंदौर शहर में स्थापित हो चुके हैं।उज्जैन शहर में 81 हजार, रतलाम शहर में 77 हजार, देवास शहर में 47 हजार, खरगोन शहर में 44 हजार, नीमच शहर में 23 हजार, मंदसौर शहर में 18 हजार, महू शहर में 15050 स्मार्ट मीटर लगे हैं। इसके अलावा अन्य जिला मुख्यालय झाबुआ, बड़वानी, आगर, शाजापुर आदि भी प्राथमिकता से अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर नि:शुल्क रूप से लगाए जा रहे हैं।

इधर, एक दिन में 11.37 करोड़ यूनिट बिजली वितरण

मालवा-निमाड़ क्षेत्र में इस वित्तीय वर्ष के दौरान शनिवार 9 नवंबर को सर्वाधिक बिजली मांग दर्ज की गई है। इस दिन 6285 मेगावाट अधिकतम बिजली मांग रही है। इस दिन मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 11 करोड़ 37 लाख यूनिट बिजली का वितरण किया। यह पिछले 10 माह का रिकॉर्ड बिजली वितरण है।शनिवार को सबसे ज्यादा इंदौर जिले में 1 करोड़ 90 लाख यूनिट बिजली वितरित की गई। धार जिले में 1.80 करोड़ यूनिट, उज्जैन जिले में 1.31 करोड़ यूनिट, देवास जिले में 1.07 करोड़ यूनिट बिजली वितरण हुआ।

इंडिगो एक्सप्रेस की इंदौर-कोलकाता दूसरी डायरेक्ट फ्लाइट जल्द10 दिसंबर से शुरू होगा संचालन, एयर इंडिया एक्सप्रेस की कोलकाता फ्लाइट भी 15 दिसंबर से

इंदौर के देवी अहिल्या बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अक्टूबर से लागू हुए विंटर शेड्यूल में फ्लाइट के बढ़ने का सिलसिला जारी है। अब इंडिगो कंपनी इंदौर से कोलकाता के लिए 10 दिसंबर से सीधी फ्लाइट शुरू करने जा रही है। कंपनी ने इसके लिए बुकिंग भी शुरू कर दी है। कंपनी ने फ्लाइट की बुकिंग शुरू करने के साथ शेड्यूल भी अपनी वेबसाइट पर जारी किया है। इंडिगो एयरलाइंस वर्तमान में इंदौर एयरपोर्ट से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, जम्मू, गोवा सहित अन्य कई शहरों के लिए सीधी फ्लाइट का संचालन कर रही है।

इंडिगो इस फ्लाइट के लिए तीन कैटेगरी में बुकिंग कर रही है। पहली कैटेगरी सेवर फेयर है। जिसका किराया 7 हजार 38 रुपए है। दूसरी कैटेगरी फ्लैक्सी प्लस फेयर है। जिसका किराया 7 हजार 799 रुपए है। वहीं तीसरी कैटेगरी सुपर 6श्व फेयर है। जिसका किराया 8 हजार 613 रुपए है। बताया जा रहा है कि कंपनी इस फ्लाइट का संचालन एयर बस ए320 निओ से करेगी।

इस विमान में 120 से 244 सीटें रहती है। बता दें कि इंदौर से कोलकाता के लिए इंडिगो की यह दूसरी सीधी फ्लाइट है। कंपनी अभी जिस फ्लाइट का संचालन इंदौर से कर रही है, वह इंदौर से रात को 8.25 बजे उड़ान भरती है और रात 10.25 बजे कोलकाता पहुंचती है।

15 दिसंबर से एयर इंडिया एक्सप्रेस भी शुरू कर रही कोलकाता के लिए फ्लाइट

इंदौर से कोलकाता के बीच जहां 10 दिसंबर से इंडिगो एयरलाइंस दूसरी सीधी फ्लाइट शुरू करने जा रही है। वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस इंदौर से कोलकाता के बीच अपनी पहली फ्लाइट का संचालन 15 दिसंबर से शुरू करेगी। यह नॉन स्टॉप उड़ान होगी। अभी एयर इंडिया एक्सप्रेस की इंदौर से शारजाह, दिल्ली और बेंगलुरु के लिए फ्लाइट है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की नई फ्लाइट 15 दिसंबर की शाम कोलकाता से उड़ान भरकर इंदौर आएगी। इसके बाद से इंदौर-कोलकाता-इंदौर के लिए यह नियमित उड़ान भरेगी। 15 दिसंबर से शुरू होने वाली इंदौर-कोलकाता फ्लाइट की बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। यह फ्लाइट शुरू होने के बाद इंदौर से कोलकाता के लिए कुल 3 फ्लाइट हो जाएंगी। इससे यात्रियों को काफी फायदा होगा।

इधर, इंदौर-जम्मू फ्लाइट अमृतसर डायवर्ट

रविवार को इंदौर से जम्मू गया विमान वहां घने कोहरे के कारण उतर नहीं पाया और उसे डायवर्ट कर अमृतसर भेजा गया। बाद में कंपनी ने इंदौर-जम्मू फ्लाइट को निरस्त कर दिया। इसके कारण जम्मू से इंदौर आने वाली फ्लाइट भी निरस्त हो गई। यही विमान इंदौर से बेंगलुरु जाता है, लेकिन इसके न आने से बेंगलुरु जाने वाली फ्लाइट 5 घंटे देरी से जा पाई। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट (6ई-959) सुबह 9.10 बजे इंदौर से जम्मू जाती है। रविवार को यह फ्लाइट 9.32 बजे इंदौर से जम्मू के लिए रवाना हुई थी। यह विमान जम्मू से इंदौर आने के बाद दोपहर 2.35 बजे बेंगलुरु जाता है, लेकिन जम्मू से आने वाली फ्लाइट के निरस्त होने के कारण यात्रियों को बेंगलुरु भेजने के लिए कंपनी के पास कोई विमान नहीं था। इसके चलते कंपनी ने दूसरे विमान की व्यवस्था की और इससे तय समय से पांच घंटे देरी से शाम 5.30 बजे 70 यात्रियों को बेंगलुरु भेजा गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)